per day, then I do not mind ; I will give chance to everybody. But if you want me to cover more questions, then I have to put some limitation on time. Further, some of the supplementaries are entirely outside the main question.

SHRI BAL RAJ MADHOKi: It is accepted that the problem of student unrest is not only a law and order problem, but is an educational problem, other things are also involved and, therefore, the Inspector-General of Police cannot tackle this problem. So, it is better to have a committee with which the police officers are also associated. Now this committee has made certain suggestions. One of the interesting suggestions is that there should be a proctorial system in all the universities and that there should be better liaison between the proctors and the police authrities. Secondly, the committee has said that if a student breaks the law, the law should take the same course and no leniency should be shown to him. Today one important factor which is contributing to student unrest, I should rather say student lawlessness, is that the student who breaks the law or indulges in criminal or violent activities is left scot free, because the students are treated as a class apart. May I know whether government can give an assurance that wherever law is broken, wherever violence takes place, whether it is by the students or others, law will not make any distinction in its course ? Secondly, may I know whether a commission in which some police officers and some academicians are there will be set up to go further into some of the very interesting and important suggesions which have been made because the police alone cannot deal with this problem ? The educational authorities and the police have to sit together to consider what kind of liaison could be established between the proctorial system and the police officers.

SHRI Y. B. CHAVAN : The hon. Member has made quite an indisputable point that the law should not make any distinction between students and others.

SHRI BAL RAJ MADHOK : But it is being done.

SHRI Y. B CHAVAN: But about handling law and order problem created by students and other people, I think that distinction has to be borne in mind.

SHRI BAL RAJ MADHOK : What about my second question, which is more important. You have suggested tha tthere should be liaison between proctors and the police officers. That is only a suggestion. Has something concrete been done in regard to this very important suggestion ?

SHRI Y. B. CHAVAN : I am glad this question has been raised. I have explained the position that these recommendations have been sent to the State Governments and the State Governments are sending their comments on them. Some of them have accepted the recomendations There is difference of opinion only about questions like, say, right of entry into tne campus of the university. Some State Governmnets have taken one view and some others a different view. This is not a matter which the police can decide. It is a matter for decission by the educational authorities after discussion with the universities.

नेताजी सुभाषचन्द्र बोस और श्री जवाहर लाल नेहरू की मूर्तियां

+

*482. श्री प्रकाश वीर शास्त्री :
श्री ओम प्रकाश त्यागी :

क्या गृह-कार्य मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि लाल किले की प्राचीर पर, जहां प्रति वर्ष 15 अगस्त को राष्ट्रीय ध्वज फ़हराया जाता है, नेता जी सुभाषचन्द्र बोष की पाषाण मूर्ति की बजाय श्री जवाहरलाल नेहरू की मूर्ति लगाई जा रही है ;

(ख) क्या ऐसा दिल्ली नगर निगम के सुझाव पर किया जा रहा है ; और

(ग) यदि हां, तो इस सम्बन्ध में अन्तिम निर्णय कब तक कर लिया जायेगा ?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI K. S. RAMASWAMY) : (a) No, Sir.

(b) and (c). Do not arise.

श्री प्रकाश वीर शास्त्री : श्रीमान्, मैं यह जानना चाहता हूँ कि पीछे समाचार पत्रों में जो समाचार प्रकाशित हुआ था कि दिल्ली कौरपोरेशन ने इस प्रकार का निश्चय किया है कि उस स्थान पर, जहाँ से कि 15 अगस्त को राष्ट्रीय ध्वज फहराया जाता है, श्री जवाहर लाल नेहरू की प्रतिमा स्थापित की जायेगी। क्या इस समाचार में कुछ सत्यांश है और क्या इस दृष्टि से उन्होंने गृह मन्त्रालय को किसी प्रकार से ऐप्रोच किया ? यदि हां, तो उसकी स्थिति क्या है ?

SHRI K. S. RAMASWAMY : No decision was taken to install a statue of either Shri Jawaharlal Nehru or Netaji Subhas Chandra Bose at the ramparts of the Red Fort where the national flage is hoisted on the 15th of August.

श्री प्रकाशवीर शास्त्री : मैं समझ नहीं पाया सम्भवतः। दिल्ली कोरपोरेशन ने तो होम मिनिस्ट्री को ऐप्रोच नहीं किया है कि यहाँ पर श्री जवाहरलाल नेहरू की प्रतिमा लगायी जाय ? क्योंकि समाचार पत्रों में प्रकाशित हुआ था कि दिल्ली कोरपोरेशन ने इस प्रकार का निर्णय लिया है, उसकी वास्तविकता क्या है ?

गृह-कार्य मन्त्रालय में राज्य मंत्री (श्री विद्याचरण शुक्ल) : दिल्ली नगर निगम ने प्रस्ताव किया था कि राम लीला ग्राउन्ड में श्री जवाहरलाल नेहरू की प्रतिमा स्थापित की जाय। उन्होंने लाल किले के रैमपर्ट पर प्रतिमा लगाने का कोई प्रस्ताव नहीं किया था। राम लीला ग्राउन्ड में लगाने का था। इसलिये आप के प्रश्न के उत्तर में जवाब दिया गया कि हमारे सामने इस तरह का कोई प्रश्न नहीं आया है।

श्री प्रकाशवीर शास्त्री : इस स्थान पर जहां सबसे पहले 15 अगस्त को श्री जवाहरलाल ने स्वयं प्रथम स्वतन्त्रता दिवस पर भाषण देते हुए कहा था कि आज हमको यहां से बोलते हुए नेताजी सुभाषचन्द्र बोस की याद आ रही है क्योंकि उन्होंने ही लाल किले पर तिरंगा झंडा फहराने का पहले स्वप्न देखा था। तो क्या गृह मंत्रालय इस प्रकार का विचार कर रहा है कि इस स्थान पर नेता जी सुभाष चन्द्र बोस की प्रतिमा लगाई जाय ? यदि हां, तो कब तक इस सम्बन्ध में निर्णय ले लिया जायगा ?

श्री विद्या चरण शुक्ल : इस विषय पर विचार करने के लिये एक समिति का निर्माण किया गया था और उसने कुछ स्थानों का चयन भी किया था। लाल किले के आजू बाजू दो स्थान हैं जिनमें से एक स्थान पर उन्होंने नेताजी सुभाषचन्द्र बोस की प्रतिमा लगाने का निश्चय किया था। पर वह कोई उपयुक्त स्थान नहीं था इसलिये इस सम्बन्ध में यह सोचा गया कि फिर से कोई उपयुक्त स्थान चुन कर वहाँ उनकी प्रतिमा लगाई जाय। अभी इस पर कोई अन्तिम निर्णय नहीं हुआ है।

श्री ओम प्रकाश त्यागी : मैं जानना चाहता हूँ कि क्या सरकार को इस संबंध में जनता की भावनाओं का ध्यान है कि चूंकि नेताजी सुभाष चन्द्र बोस और उनकी आई० एन० ए० को लाल किले से सम्बन्ध है, इसलिये नेता जी की प्रतिमा के लिए उचित स्थान वही हो सकता है जहां पर झंडा लहराया जाता है ? क्या सरकार इस पर विचार करेगी कि उसी स्थान पर स्टैचू लगाई जाये ?

श्री विद्या चरण शुक्ल : सरकार को जन भावना का सम्पूर्ण ध्यान है। इसी लिये इस प्रतिमा को लगाने के स्थान के बारे में इस कमेटी से सलाह ली गई। इस समिति में माननीय संसद सदस्य भी थे जो कि जन भावनाओं का प्रतिनिधित्व करते हैं, और उनके साथ सोच विचार करके ही इस प्रश्न पर निर्णय करने का विचार सरकार का है।

SHRI RANGA : This is a very sensitive subject. Whatever may be our personal opinions in regard to one or the other or both of them, we all love and venerate these two great national leaders and I do not want a controversy to be raised over

this matter. I do not think it would be possible for anyone of the ministers also to make any decision or to express anything here in the House. Therefore, may I make this suggestion that they may take, when they find it necessary, such of the Members of the House who may have some views in regard to this particular matter into consultation and settle this matter in an amicable manner ? It is not as if there are two sections of people who are lovers of either of them; all of us love them and, therefore, it should be done in such a decent and harmonious manner that it would please the whole of the nation.

SHRI VIDYA CHARAN SHUKLA : It is a very welcome suggestion.

श्री स० मो० बनर्जी : काफी दिनों से सुनते आ रहे हैं हम लोग कि चूंकि नेता जी सुभाष चन्द्र बोस ने "चलो दिल्ली" और "लाल किले पर झंडा लहरायें" का नारा दिया था इसलिये उनकी प्रतिमा वहां लगने वाली है । मंत्री महोदय ने कहा कि पहले यह सुझाव आया था कि उस जगह के आजू-बाजू उन की स्टैचू लगाई जाये । तो आजू बाजू छोड़ कर किसी ऐसी जगह उनकी स्टैचू होनी चाहिये जहां से वह जनता को दिखाई दे और उसके दिल में भावनायें जागें । मैं जानना चाहता हूँ कि चूंकि वह लाल किले पर आना चाहते थे, इसलिये क्या ऐसी जगह पर स्टैचू का निर्माण किया जायेगा जहां से वह तमाम लोगों को नजर आये और वह उसी जगह पर होनी चाहिये जहाँ से आज झंडा फहराया जाता है ?

श्री विद्या चरण शुक्ल : हम लोगों का विचार है कि ऐसे स्थान पर नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की प्रतिमा का निर्माण किया जाये जहां से वह जनता को दिखाई दे सके और जनता को उससे प्रेरणा मिल सके । उनकी जो कीर्ति है और जो महिमा है उसके हिसाब से ही स्थान का चुनाव होना चाहिये । इसलिए इस स्थान का चयन बहुत सोच समझ कर करना होगा । इस के लिये हमने जो कमेटी बनाई थी उसने जो जगह सुझाई थी वह उपयुक्त नहीं होगी । हम लोग वहाँ पर ठीक स्थान की खोज कर रहे हैं ।

SHRIMATI ILA PALCHOUDHURI : Is it not possible to have both the statues at Lal Qila and also keep Netaji's sword over there ?

SHRI VIDYA CHARAN SHUKLA : We will keep the suggestion in view.

SHKI B. K. DASCHOWDHURY : Netaji's supreme ambition was to unfurl the National Flag on the Red Fort. In view of this great sentiment prevailing throughout the country—in the minds of the Indian people today Red Fort and Nataji are linked together—may I get a straight answer from the hon. Minister as to when the decision would be taken that the statue of Netaji will be erected on the ramparts of the Red Fort ?

SHRI VIDYA CHARAN SHUKLA : We have already indicated that we want to associate Netaji's statue with the Red Fort. Where exactly in the Red Fort it will be done is a matter for consideration and decision. That is under consideration.

श्री देवेन सेन : मैं बतलाना चाहता हूँ कि 1946 में मार्सेलीज बन्दरगाह पर मेरी नेताजी सुभाष चन्द्र बोस के साथ मुलाकात हुई थी, और मैं उस समय अकेला नहीं था । फारवर्ड ब्लाक के जोगलेकर भी वहां हाजिर थे । नेताजी मिलिट्री ड्रेस पहने हुए थे । इस लिए मैं पूछना चाहता हूँ कि क्या सरकार ने इस बात का निश्चय कर लिया है कि नेताजी अब जिन्दा नहीं हैं । मैं यह भी बतलाना चाहता हूँ कि आनन्द बाजार पत्रिका आफिस में बीच-बीच में मिस्टीरियस आदमी नेता जी के लिखित खत लेकर आते हैं जो लोग उनके हस्ताक्षर जानते हैं वह इसको पहचान सकते हैं ।

मैं सरकार से यह भी जानना चाहता हूँ कि क्या सरकार अब भी नेता जी को एनिमी नं० 1 मानती है ?

MR. SPEAKER : That has nothing to do with this now.

श्री कंवर लाल गुप्त : मंत्री महोदय ने कहा कि जो कमेटी बना रक्खी गई है उसमें कुछ संसद सदस्य भी हैं। मैं मन्त्री महोदय से उनके नाम जानना चाहता हूँ। आया वह ऐसे सदस्य हैं जो कि दिल्ली को जानते हैं।

दूसरा सवाल मेरा यह है कि इस समय दिल्ली में आपने बहुत से राजनीतिक नेताओं के स्टैचू लगाये हैं, तो क्या आप की पालिसी कोई है कि किन-किन लोगों की स्टैचू किस-किस जगह लगाई जायेगी। जो दूसरे राष्ट्रीय नेता हैं, जिनका सम्बन्ध दूसरी पार्टियों से है, विशेष कर मैं डा० श्यामा प्रसाद मुकर्जी के बारे में मैं कहना चाहता हूँ जो कि यहां कि बहुत बड़े पार्लियामेंटेरियन रहे हैं और राष्ट्रीय नेता भी हैं, क्या उन के बारे में भी आप विचार करेंगे और छत्रपति शिवाजी के लिये भी सोचेंगे ?

श्री विद्या चरण शुक्ल : इन सब बातों पर विचार करने के लिये ही समिति का निर्माण किया गया है। जो पुरानी समिति थी उसका कार्यकाल समाप्त हो गया है और अब नई समिति बनने जा रही है। आशा है कि वह कुछ ही दिनों में बन जायगी।

श्री कंवर लाल गुप्त : मैंने डा० श्यामा प्रसाद मुकर्जी और छत्रपति शिवाजी के बारे में पूछा था।

श्री विद्या चरण शुक्ल : इन्हीं सब बातों पर सलाह देने के लिये कमेटी बनी थी। वह जो सलाह देती है उस पर विचार करके हम निर्णय लेते हैं।

MR. SPEAKER : Next question, Shri Janardhanan.

SHRI ANBAZHAGAN : Sir, before the Question is taken up for answer, I would like to submit that such questions and also such answers that involve matters which are completely under the law and order jurisdiction of the State Government should not be raised in the House. Further, this is a case which is *sub judice*. I also feel that this involves a political party, indirectly insinuating the Communist Marxists. So, about this Question, though it is already admitted, I hope, the hon. Minister as well as the Members may co-operate in not raising such questions in this House—the precious hour of the House is wasted on such questions—which are completely under the law and order of the State Government.

MR. SPEAKER : It is not as though the names of one party is there but the names of different parties are there who have tabled the Question. When the Questions come, naturally, you cannot rule out everything. We will have to admit some of them. But apart from that, naturally, the Ministers will be careful enough to see what is the State subject and to what extent they can answer. I am sure, the Ministers know their irresponsibility and will be careful in that. You have also appealed to the Members and, when putting questions, naturally, they are also expected to be a little responsible.

SHRI S. KANDAPPAN ; Just a word. We know what will be the answer of the Home Minister. He will say that they are effectively dealing with the problem. Our fear and anxiety is that, by implication, this will cast an aspersion on the effectiveness of the D. M. K. Government there.

MR. SPEAKER : There are different Governments in different States, say, in Kerala, West Bengal, Orissa and all that. Let us not lose the time of the House. The question has been admitted.

SHRI VASUDEVAN NAIR : Will you kindly direct your secretariat to be a little careful in editing Questions. I am sure Mr. Janardhanan would not have asked a Question like that.

SHRI ANBAZHAGAN : It is also *sub judice* ; there is a case pending.

MR. SPEAKER : I am sure the Government knows that the case is pending. Shri Janardhanan—not here ; Shri Mohamed Imam.

Violence in Tanjore

+

*483. SHRI J. MOHAMED IMAM :
SHRI C, MITHUSAMI ;